GREENLAWNS HIGH SCHOOL
TERMINAL EXAMINATION (2024 - 2025)
SUBJECT : HINDI (II Language)

Grade: IX **Marks : 80**

Date : 30/09/24 **Time : 3 hours**

Answers to this paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 10 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper .

The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two sections – Section A and Section B

Attempt all the questions from section A.

Attempt any four questions from section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

The intended marks for the questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION 'A' (40 Marks)

Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics :- [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त प्रस्ताव लिखिए :-

(i) शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेलना एक औषधि के समान है। इसका जीवन में क्या महत्त्व है? इस पर प्रकाश डालिए ।

(ii) विकलांग भी हमारे समाज का ही एक अंग है । इनके प्रति नागरिकों और सरकार का क्या कर्तव्य है? इस पर एक प्रस्ताव लिखिए।

(iii) ' विश्वास में बड़ी शक्ति होती है । यह विश्वास चाहे किसी पर हो – स्वयं पर , मित्रों पर या अपने आराध्य पर ।' इस भाव को अभिव्यक्ति करते हुए अपने जीवन का कोई अनुभव लिखिए ।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :-

' जैसी करनी वैसी भरनी। '

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below:

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए : [7]

(i) साप्ताहिक बाज़ारों तथा अनुचित पार्किंग के कारण उत्पन्न होने वाली असुविधा के लिए पुलिस कमि नर को पत्र लिखिए।

(ii) आपका विद्यालय अनेक अंतर विद्यालय प्रनियोगिता (Inter School Competition) में भाग लेता है तथा इसके लिये विद्यार्थी खूब मेहनत करते है। विद्यालय से होनेवाली प्रतियोगिताओं तथा उनकी तैयारियों के विषय में बताते हुए अपने दादा जी को पत्र लिखिए।

Question 3

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible :-

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

पुराने समय की बात है। नवलगढ़ राज्य में एक राजा राज करता था। नाम था उसका वीरसिंह। सचमुच ही बड़ा बहादुर था। आस-पास के सब राज्य उसने जीत लिए थे। सपने में भी कोई उससे शत्रुता मोल लेने की कोशिश न करता था। इस प्रकार कोई उसका शत्रु न था, किन्तु राजा वीर सिंह

क्रोधी भी था। वह दरबारियों की झूठी-सच्ची सभी प्रकार की बातें मान लेता और उसी अनुसार सजा भी सुना देता। प्रजा उससे खुश नहीं थी। फिर भी लोग किसी प्रकार अपने जीवन की गाड़ी हाँक रहे थे। अपने राजा के खिलाफ कुछ कहना या करना मौत को निमन्त्रण देना था।

उसी राज्य में एक गरीब ब्राह्मण रहता था। वेद तथा शास्त्रों का उसने खूब अध्ययन किया था। वह कवि भी था और जन-जागरण की कविताएँ भी लिखा करता था। उसका नाम पण्डित जगमोहन था।

दुर्भाग्य से एक साल उस राज्य में अकाल पड़ा। प्रजा में हाहाकार मच गया। खुशामदी मन्त्रियों के कारण राजा को अकाल की सही जानकारी न मिल सकी। प्रजा से जबरदस्ती लगान लिया जाने लगा। राज्य के कुछ सयाने लोग राजा से मिले, किन्तु उन्हें नाराजगी के सिवा और कुछ न मिला। वे निराश लौट आये।

कवि जगमोहन से न रहा गया। उसने एक कविता लिखी। उसने लिखा था कि अकाल के बुरे दिनों में राजा को क्रोध त्यागकर सबसे प्रेमपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। राजा तो प्रजा के पिता के समान होता है, परन्तु राजा ने उसे तुरन्त विद्रोही करार दिया और राज्य से बाहर निकाल दिया।

कवि जगमोहन ने शीघ्र ही आज्ञा का पालन किया। वह पड़ोस के एक जंगली राज्य की ओर चल पड़ा। रास्ते में वह यही सोचता जा रहा था कि राजा यदि आज दुःख के दिनों में प्रजा के साथ प्रेम का व्यवहार करता तो लोग अकाल का दुःख हँसते-हँसते सह जाते।

अचानक रास्ते में उसे एक शेर दिखा। पहले तो वह डरा, परन्तु उसने देखा कि शेर के चेहरे पर हिंसा की कोई भावना नहीं है और वह हल्के दर्द से कराह रहा है तो वह उसके निकट गया, शेर के पंजे से लहू निकल रहा था। उसे यह समझते देर नहीं लगी कि शेर घोर कष्ट में है। दया के कारण क्षणभर के लिए वह यह भी भूल गया कि शेर हिंसक प्राणी है और पलक मारते ही उसकी जान ले सकता है। उसने आगे बढ़कर शेर के पंजे में चुभा हुआ काँटा निकाला और आगे बढ़ गया। शेर उसे कृतज्ञता की नज़र से देखता रह गया।

नवलगढ़ राज्य की सीमा से दूर रहकर भी कवि जगमोहन ने अपने राजा को शिक्षा देने के लिए अनेक कविताएँ लिखीं। ईर्ष्या रखने वाले दरबारियों ने राजा से फिर शिकायत की कि जगमोहन राज्य से दूर रहकर भी उसे बदलने की कोशिश कर रहा है। बस, फिर क्या था, कवि जगमोहन को पकड़ लिया गया। राजा उसे देखते ही क्रोध से भर उठा, किन्तु कवि जगमोहन ने उसे फिर समझाया कि प्रेम ही दुनिया में सबसे बड़ी शक्ति है
और राजा को इस शक्ति का त्याग कभी नहीं करना चाहिए, परन्तु राजा ने उसकी एक न सुनी और कहा- "प्रेम की बड़ी शिक्षा देने आये हैं, हम अभी तेरी अक्ल ठिकाने लगाये देते हैं।"

राजा की आज्ञा से कवि जगमोहन को शीघ्र ही भरे दरबार में अभी हाल में पकड़े गये एक शेर के पिंजड़े में डाल दिया गया। लोग जानते थे कि शेर उस दुर्बल ब्राह्मण को क्षणभर में ही समाप्त कर देगा, परन्तु ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था। सभी ने आश्चर्य के साथ देखा कि शेर उस ब्राह्मण के पैर चाट रहा है। कवि जगमोहन को भी यह समझते देर न लगी कि शेर उसका पूर्व परिचित है। वह तो

अब इसलिए प्रसन्न था कि उसने दुनिया के सामने प्रेम का एक अनोखा उदाहरण पेश किया था। सारी सभा दंग थी। राजा वीरसिंह का अभिमान जैसे पानी-पानी हो गया था। उसकी आँखें शर्म से झुकी हुई थीं। अब यह बात सूरज की तरह साफ हो गई थी कि वास्तव में प्रेम ही दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति है।

(i) वीरसिंह किस राज्य का राजा था ? उसका स्वभाव कैसा था ? [2]

(ii) पण्डित जगमोहन कौन था ? परिचय लिखिए। [2]

(iii) राजा ने जगमोहन को राज्य से बाहर क्यों निकाला ? [2]

(iv) शेर ने ब्राह्मण जगमोहन को क्यों नहीं मारा ? [2]

(v) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? [2]

Question 4

Answer the following according to the instructions given :-
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :-

i) ' इंद्र ' शब्द का पर्यायवाची बताइए :- [1]
(a) ईश , प्रभु
(b) देवेंद्र सुरपति
(c) भगवान, परमात्मा
(d) धनेश, धनपति

ii) ' आरंभ ' शब्द का विलोम बताइए :- [1]
(a) आदि
(b) इत्यादि
(c) अंत
(d) श्रीगणेश

iii) ' मधुर ' शब्द की भाववाचक संज्ञा बताइए :- [1]
(a) मधुर्य
(b) माधुर्य
(c) मधुरिमा
(d) मिठास

iv) ' घाव ' शब्द का विशेषण बताइए :- [1]

(a) घरेलू
(b) घटना
(c) घायल
(d) घनिष्ठ

v) ' ईट से ईट बजाना ' मुहावरे का अर्थ बताइए :- [1]

(a) नष्ट कर देना
(b) शत्रु को करारा जवाब देना
(c) धोखा देना
(d) बहुत प्रयत्न करना

vi) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :- [1]

मैंने किसी के रोने की आवाज़ सुनी। (' मुझे ' का प्रयोग करें।)

(a) मुझे किसी के रोने की आवाज़ आई।
(b) मुझे किसी के रोने की आवाज़ सुनाई दी।
(c) मुझे किसी के रोने की आवाज़ सुनी।
(d) मुझे किसी के रोने की आवाज़ सुनी थी।

vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :- [1]

इकबाल मेरी फैक्टरी में हाथ बटाएगा। (' द्वारा ' शब्द का प्रयोग कीजिए।)

(a) इकबाल फैक्टरी द्वारा हाथ बटाएगा।
(b) इकबाल द्वारा फैक्टरी में हाथ बटाया जायेगा।
(c) इकबाल फैक्टरी में हाथ बटाएगा ।
(d) इकबाल द्वारा मेरी फैक्टरी में हाथ बटाया जाएगा।

viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए :- [1]

मुझे ठंडा मटके से शरबत पीना है। (वाक्य शुद्ध कीजिए।)

(a) ठंडा मटके से शरबत पीना है।
(b) मुझे मटके से ठंडा शरबत पीना है।
(c) मुझे मटके से ठंडा शरबत पिना है।
(d) शरबत ठंडे मटके से पीना है।

SECTION 'B' (40 Marks)

*Attempt **Four** questions from this Section.*

साहित्य सागर – संक्षिप्त कहानियाँ

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

पर, ' सब दिन होत न एक समान ' अकस्मात् दिन फिरे और सेठ को गरीबी का मुँह देखना पड़ा। संगी – साथियों ने भी मुँह फेर लिया और नौबत यहाँ तक आ गई कि सेठ व सेठानी भूखों मरने लगे

(i) सेठ का परिचय अपने शब्दों में दीजिए। [2]

(ii) दिन फिरने का सेठ जी पर क्या प्रभाव पड़ा ? [2]

(iii) उन दिनों कौन – सी प्रथा प्रचलित थी ? सेठानी ने सेठ जी को क्या सलाह दी और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) सेठानी की सलाह पर सेठ कहाँ गए ? धन्ना सेठ कौन था और उनकी पत्नी के बारे में क्या अफ़वाह थी ? [3]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

महत्व मूर्ति के रंग ,रूप या कद का नहीं , उस भावना का है वरना तो देश भ त भी आजकल मजाक की चीज़ होती जा रही है। "

(i) मूर्ति के संबंध में किसने उपरोक्त वाक्य कहे हैं ? उनका परिचय दीजिए। [2]

(ii) मूर्ति किसकी थी ? वह कहाँ स्थित थी और उसे बनने का कार्य किसे सौंपा गया था ? [2]

(iii) कहानी के आधार पर मूर्ति का वर्णन कीजिए। [3]

(iv) कस्बों , शहरों , महानगरों के चौराहों पर किसी न किसी क्षेत्र के प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने का प्रचलन सा हो गया है। इस तरह की मूर्ति लगाने के क्या उद्देश्य हो सकते हैं ? स्पष्ट कीजिए। [3]

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-
निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

' विश्वेश्वर हतबुद्धि होकर वहीं खड़े रह गए । उन्होंने फटी हुई पतंग उठाकर देखी । उस पर चिपके हुए कागज़ पर लिखा था - काकी । '

i) विश्वेश्वर कौन है ? उनका परिचय लिखिए । [2]

ii) विश्वेश्वर ने श्यामू को क्या दंड दिया और क्यों ? [2]

iii) क्या आपकी दृष्टि में श्यामू अपराधी था ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए । [3]

vi) ' काकी ' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए । [3]

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

जब तक मनुज - मनुज का यह
सुख भाग नहीं सम होगा
शमित न होगा कोलाहल
संघर्ष नहीं कम होगा ।
उसे भूल वह फँसा परस्पर
ही शंका में भय में
लगा हुआ केवल अपने में
और भोग - संचय में ।

i) संसार का कौन-सा शोर कवि को बेचैन कर रहा है? यह कैसे शांत हो सकता है ? [2]

ii) ' सम ' का क्या अर्थ है ? यहाँ इस शब्द का प्रयोग किस भाव में किया गया है? [2]

iii) ' भोग - संचय ' से क्या तात्पर्य है ? आप मानवता के उद्धार के लिए क्या करना चाहते हैं ? स्पष्ट कीजिए। [3]

iv) शब्दार्थ लिखिए -

i) मनुज ii) कोलाहल iii) शमित iv) शंका v) परस्पर vi) संघर्ष [3]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

साँई सब संसार में, मतलब का व्यवहार।
जब लग पैसा गाँठ में, तब लग ताको यार ।।
तब लग ताको यार, यार संग ही संग डोले।
पैसा रहे न पास, यार मुख से नहि बोले ।।
कह ' गिरिधर कविराय ' जगत यहि लेखा भाई।
करत बेगरजी प्रीति, यार बिरला कोई साँई।

i) कवि के अनुसार इस संसार में किस प्रकार का व्यवहार प्रचलित है ? [2]

ii) मनुष्य के पास धन समाप्त हो जाने पर क्या स्थिति हो जाती है ? [2]

iii) सच्चे मित्र के बारे में कवि ने क्या कहा है ? समझाकर लिखिए। [3]

iv) इस कुंडली से मिलने वाला संदेश लिखिए। [3]

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions that follow :-
निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :-

जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थीं सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया सिखाई, जग को दिया दिखाया।
वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी ।।

i) प्रथम दो पंक्तियों में कवि ने किस -किस का उदाहरण दिया है और क्यों ? [2]

ii) बुद्ध ने देश का सुयश कैसे बढ़ाया ? [2]

iii) कवि ने भारत को अपनी युद्धभूमि और बुद्धभूमि क्यों कहा है ? समझाकर लिखिए। [3]

iv) ' वह जन्मभूमि मेरी ' कविता के आधार पर भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए। [3]